



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 99,735	Silver 97,000	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

मंत्रि-परिषद ने म.प्र. लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का किया अनुमोदन

2 लाख नवीन पद होंगे निर्मित

- ♦ **म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड** योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 5163 करोड़ रुपये का अनुमोदन
- ♦ 459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन एवं भवन निर्माण के लिए 143 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति

नीमच 17 जून 2025, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया

madan mali

9669999779

rajmal gayri

9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AHDP06502G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BSPG06859G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

मदन माली

9669999779

राजमल गायत्री

9926640630

श्रीदेव

वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच

दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने आज सिंगोली में शिविर

नीमच 17 जून (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय विभाग एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वासि केंद्र नीमच द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली में आज 18 जून 2025 को प्रातः 10:00 बजे से दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। दिव्यांग हितग्राही प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शिविर में यदि पुराना दिव्यांग प्रमाण पत्र पहले से बना हो और 5 वर्ष की अवधि समाप्त हो गई हो, तो उसकी फोटोकॉपी, आधार कार्ड, समग्र आईडी, राशन कार्ड, दस्तावेजों की तीन-तीन फोटो कॉपी एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठा सकते हैं।

सभी राजस्व अधिकारी राजस्व मामलों, अवैध कब्जे एवं रास्ता विवादों के प्रकरणों में सख्त प्रभावी कार्यवाही करें - चंद्रा

कलेक्टर ने टी.एल.बैठक में दिए अधिकारियों को निर्देश

नीमच 17 जून (निप्र)। जिले के सभी राजस्व अधिकारी, राजस्व संबंधी मामलों, अवैध कब्जे एवं रास्ता विवादों से संबंधित प्रकरणों में सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही करें। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को समय सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, संयुक्त कलेक्टर राजेश शाह, डॉ.ममता खेड़े, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर्स, जिला एसडीओ, सीएमओ एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी सीएमओ और जनपद सीईओ को निर्देश दिए, कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सुनिश्चित करें, कि किसी भी भवन के बेसमेंट में वर्षा जलभराव ना हो, यदि कहीं ऐसी संभावना



हो, तो उसके समाधान के समुचित प्रबंध सुनिश्चित करवाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण करवाने और उनकी एमआईएस करवाने के निर्देश भी जनपद सीईओ को दिए।

कलेक्टर चंद्रा ने सभी सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे प्रधानमंत्री आवास शहरी चरण 2 के हितग्राहियों के पंजीकरण के सत्यापन का कार्य 25 जून तक

पूर्ण करवाएं। उन्होंने जिले के सभी उद्योगों, वेयर हाउस और मण्डी प्रॉण्गन में नीलामी शोडों पर रूफवाटर हार्वेस्टिंग ईकाई स्थापित करवाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में कलेक्टर ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्य की प्रगति की समीक्षा दौरान निर्देश दिए, कि सभी विभाग अपने लक्ष्य अनुरूप

एक सप्ताह में पौधारोपण की पूर्व तैयारी, गड्ढों की तैयारी, पौधों को उपलब्धता सुनिश्चित कर लें। एक सप्ताह पश्चात वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्य प्रारंभ किया जावेगा।

शेष हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनवाएं :- कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य की समीक्षा के निर्देश दिए, कि आयुष्मान पंजीकरण में नीमच जिला लगभग सेचुरेशन मोड में आ गया है। कलेक्टर ने सभी संबंधितों को निर्देश दिए, कि वे शेष सभी हितग्राहियों के आयुष्मान पंजीन का कार्य पूर्ण कर शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल करें।

शतप्रतिशत समग्र ईकेवायसी करवाएं:- बैठक में कलेक्टर ने कहा, कि समग्र ईकेवायसी में भी नीमच जिला लगभग सेच्युरेशन की स्थिति में

आ गया है। अब जो भी शेष रहे है, उन हितग्राहियों की ईकेवायसी करवाकर, शतप्रतिशत ईकेवायसी का लक्ष्य हासिल करें।

कलेक्टर ने सभी पंचायतों और वार्डों में एक सप्ताह में 85 प्रतिशत से अधिक हितग्राहियों के ईकेवायसी का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जनपद नीमच, जावद एवं मनासा व न.पा. नीमच को एक सप्ताह में पाँच-पाँच हजार ईकेवायसी करवाने के साथ ही अनुपस्थित, पलायन कर चुके हितग्राहियों, मृत हितग्राहियों के नाम समग्र से डिलीट करवाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा में कलेक्टर ने दो दिवस में ग्रेडिंग माह की शतप्रतिशत शिकायतों को संतुष्टी के साथ बंद करवाने के निर्देश भी सभी अधिकारियों को दिए।

डिजिटल अटेंडेंस, 6 घंटे अनिवार्य... अब कॉलेज से ‘गायब’ नहीं हो सकेंगे एमपी के प्रोफेसर, नहीं तो कटेगा वेतन

भोपाल । प्रदेश भर के कॉलेजों में शिक्षकों सहित अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति ऑनलाइन अनिवार्य कर दी गई है। इसकी रिपोर्ट भी कलेक्टर को भेजी जाएगी। अगर ऑनलाइन उपस्थिति नहीं लगी तो वेतन में कटौती होगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग कई बार आदेश जारी कर चुका है। फिर से विभाग ने सभी कॉलेज के प्राचार्यों को आदेश जारी कर प्राध्यापकों सहित ग्रंथपाल, लाइब्रेरियन और अतिथि विद्वानों उपस्थिति सार्थक एप से लगाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

एप उपस्थिति लगाने से ही मिलेगा वेतन - यह भी स्पष्ट किया है कि एप से मिली उपस्थिति से विभाग वेतन जारी करेगा। समस्या दूर दराज के कॉलेजों में आ रही है। जहां इंटरनेट नहीं होने पर सार्थक एप से उपस्थिति नहीं लग रही है। यहां

तक फेस रीडिंग तक नहीं हो पा रही है। हालांकि इससे कई कॉलेजों में शिक्षकों की उपस्थिति पूरी हो रही है। **कलेक्टर को भेजी जाएगी उपस्थिति** - प्राचार्य सार्थक एप के माध्यम से एक एनालिटिकल हैशबोर्ड तैयार करेंगे। इसमें कॉलेज की आईडी से लॉगिन कर डाटा एनालिटिक्स देख सकेंगे। उसे जिले के कलेक्टर और उनके संभागीय आयुक्त को भी शिक्षकों की उपस्थिति को भेजना होगा। सभी की उपस्थिति की कैलकुलेशन जिले के एम्प्लॉईज के उपस्थिति मार्क करने से किया जाएगा। इसमें प्रोफेसर सहित अन्य सभी वर्ग के अधिकारियों के आने और जाने के समय उपस्थिति लगाना होगी। इसमें सिर्फ आने का समय देने पर उनकी उपस्थिति मान्य नहीं की जाएगी।

6 घंटे होगी कॉलेजों में

उपस्थिति - विभागीय आदेश के मुताबिक शिक्षक, खेल अधिकारी, लाइब्रेरियन, अतिथि विद्वान को कॉलेज में यूजीसी के नियम के तहत उपस्थित रहना होगा। यूजीसी ने नए नियम के तहत उक्त सभी की उपस्थिति (आने और जाने के बीच) का समय छह घंटे किया है। इससे अब सभी को 6 घंटे तक कॉलेजों में रुकना होगा। इससे कम समय होने पर उनको मिलने वाले वेतन में कांट-छांट भी हो सकती है। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ अध्यक्ष आनंद शर्मा ने कहा कि शासन का आदेश शिक्षकों के लिए पांच घंटे का समय निर्धारित है। अब यूजीसी के अनुसार समय निर्धारण से अधिक घंटे पर वेतन भी मिलना चाहिए। अगर शिक्षक कभी काम से अधिक घंटे रूकते हैं तो अतिरिक्त वेतन भी मिलना चाहिए।

इनरव्हील 2025-26 की कार्यकारिणी घोषित



नीमच 17 जून (निप्र)। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सेवा के लिए समर्पित संस्था इनरव्हील क्लब नीमच के सत्र 2025-26 के चुनाव सम्पन्न हुए। क्लब की साधारण सभा में चुनाव सम्पन्न हुए। संस्था की पूर्व अध्यक्ष डॉ. माधुरी चौरसिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि निर्विरोध चुनाव में अमरजीत कौर छाबड़ा अध्यक्ष,

प्रेरणा शर्मा सचिव, अल्का चड्ढा, कोषाध्यक्ष, सिम्मी सलूजा आई.एस.ओ. एवं शारदा तौर एडिटर चुनी गईं। इनरव्हील क्लब के नये सत्र 2025-26 का शुभारंभ 1 जुलाई 2025 को होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष तुपति दुआ एवं सचिव कीर्ति ढींगरा ने नये पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रदान कीं।

12th

के बाद

सफर जोश का मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

22 वर्षों का अनुभव। 1200 से अधिक छात्रों को नोकरी दिला चुके हैं।

धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना लागू

5 लाख रूपए प्रति वर्ष, पात्र परिवार को निःशुल्क उपचार

GMH

...where healing begins.

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार निःशुल्क किए जाएंगे –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच ८6262778282

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत



सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है।

भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रैल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात् उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दर्शाता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात्, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं। यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भारीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

संपादकीय

बिजली बचाने का उपक्रम

सरकार एयरकंडीशनर के तापमान को मानकीकृत करने के विषय में उपकरण विनिमाताओं व राज्यों से बात कर रही है। देश में ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने के लिहाज से एसी के डिफॉल्ट तापमान को 20 से 28 डिग्री के दरम्यान मानकीकृत करने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो यानी बीईई रूप रेखा तैयार कर रहा है। इस ब्यूरो का काम ऊर्जा कुशल प्रक्रियाओं, उपकरण व प्रणालियों के इस्तेमाल को बढ़ावा देता है। न्यूनतम 20 तथा अधिकतम 28 डिग्री को स्टैंडर्ड बनाया जा सकता है। सरकार वाहन विनिमाताओं के साथ भी इस संबंध में बात कर रही है। तापमान में एक डिग्री की कमी से छह फीसद ऊर्जा की बचत संभव होती है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है, जब देश में भीषण गरमी के कारण बिजली की खपत बढ़ती जा रही है। नौ जून को यह 241 गीगा वॉट तक पहुंच चुकी थी। यह नियम पड़तों के अलावा आवासों पर भी लागू हो सकता है। इसके लागू होते ही एसी निमाता कंपनियों को ही अपने उत्पाद के हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर बदलाव के जरिए इसे सीमित किया जाएगा। फिलवक्त यह न्यूनतम 16/18 व अधिकतम 30 डिग्री होता है। बिजली अधिकतरियों के अनुसार देश में अधिकतम ऊर्जा खर्च में करीब पचास गीगावॉट बिजली की खपत एसी चलने में होती है। जो अधिकतम गरमी के वक्त कुल ऊर्जा खर्च का पांचवां हिस्सा हो जाती है। देश में बिजली निर्माण में कोयले का प्रयोग सबसे ज्यादा होता है। इस पर काबू करने से प्रदूषण घटाने में भी मदद हो सकती है। महानगरों में बढ़ते औद्योगीकरण, शानदार-उन्नत रिहाइशों और बाजारों के वतानुकूलन में बिजली की जबरदस्त खपत होती है। जिस पर काबू करने के प्रति सरकार को प्रतिबद्ध होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान का सबसे अधिक खामियाजा आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सबसे ज्यादा चुकाना पड़ता है। बिजली की किल्लत या आपूर्ति से अधिक मांग होने पर बिजली कटौती इसी वर्ग से की जाती है। अकेले बीते वर्ष ही देश में 1.4 करोड़ यूनिट की बिक्री हुई थी। बढ़ती गरमी की चुनौतियों से जुझने के लिए सरकार को और भी कदम उठाने होंगे। ऊर्जा-कुशल बुनियादी ढांचे व बेहतरीन वेंटीलेशन वाली इमारतों के निर्माण को व्यवस्था के प्रयास करने चाहिए। एसी के अतिरिक्त एलईडी लाइटों, पंखों व अन्य घरेलू उपकरणों का भी मानकीकरण करने की कोशिशें जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

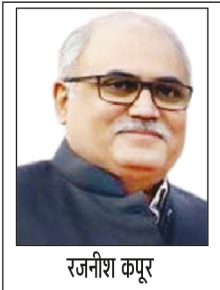
धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल फलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोटी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-समूख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आनंद शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर स्वर्ग दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी पल रहे हैं।



ललित गर्ग

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जुझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घिरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महानदान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान-दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरूरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें'- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का



रमजीश कपूर

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी बात दुनिया तक पहुंचाने का एक शक्तिशाली मंच प्रदान किया है। यह मंच जहां एक ओर , झूठान और सकारात्मक संदेशों को फैलाने का अवसर देता है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस मंच का दुरु प्रयोग भी कर रहे हैं। एक चिंताजनक प्रवृत्ति जो हाल के वर्षों में उभरी है, वह है सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की कोशिश। यह न केवल सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाता है, बल्कि समाज में नैतिकता और संस्कृति के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ ने कई लोगों को गलत रास्ते पर धकेल दिया है। कुछ लोग त्वरित प्रसिद्धि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहार, अभद्र भाषा, अनुचित कपड़े या अपचितजनक हरकतें करते हैं और इसे रिकॉर्ड करके ऑनलाइन डाल देते हैं। उदाहरण के तौर पर कुछ युवा सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो, बस, पार्क या बाजारों में

सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है। दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाइन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाइन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वेच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक

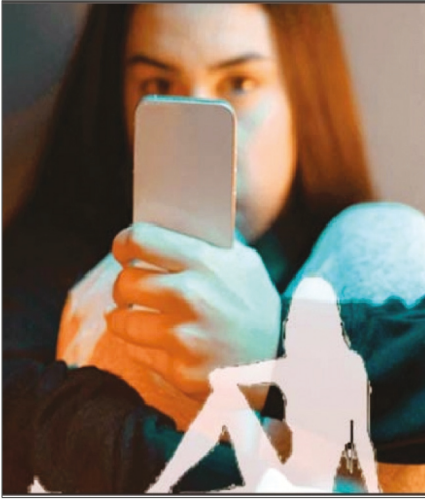
हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौर और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकर्ताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है। भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वेच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलैण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है। रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्याप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है।

मुद्दा : वायरल होने को कुछ भी करेंगे...

अश्लील नृत्य, अशोभनीय टिप्पणियां या विवादास्पद कृत्य करते हैं, ताकि लोग उनकी वीडियो देखें, शेयर करें और वे रातोंरात प्रसिद्ध हो जाएं। इस तरह की सामग्री को अक्सर 'हाइक्लिबेट' के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि यह लोगों का ध्यान तुरंत खींचती हैडू लेकिन यह प्रवृत्ति समाज के लिए हानिकारक है। यह सवाल उठता है कि क्या प्रसिद्धि के लिए नैतिकता और सामाजिक मर्यादाओं को ताक पर रखना उचित है? आज के समय में, सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स और व्यूज को सफलता का पैमाना माना जाता है। लोग मानते हैं कि वायरल होने से उन्हें प्रसिद्धि, पैसा और अवसर मिलेंगे। इस लालच में वे अश्लीलता का सहारा भी ले लेते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम विवादास्पद और सनसनीखेज सामग्री को अधिक प्रचारित करते हैं। अश्लील वीडियो या पोस्ट को ज्यादा लाइक्स, शेयर और कमेंट्स मिलते हैं, जिससे वे ट्रेंडिंग लिस्ट में आ जाते हैं। यह क्रिएटर्स को ऐसी सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। आधुनिक समाज में कुछ हद तक नैतिकता और सामाजिक मूल्यों में कमी आई है। लोग व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर अनुचित व्यवहार को सही ठहराने लगे हैं। सोशल मीडिया पर लाखों कंटेंट क्रिएटर्स हैं और उनमें से अलग दिखने के लिए कुछ लोग गलत रास्ते चुन लेते हैं। अश्लीलता एक आसान और तेज तरीका लगता है। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने की प्रवृत्ति समाज पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। जब लोग सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहार करते हैं, तो यह समाज की नैतिकता और मर्यादाओं को कमजोर करता है।

अश्लील व्यवहार सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए असुविधा और असहजता का कारण बनता है। इससे सामाजिक तनाव और विवाद पैदा हो सकते हैं। भारत में सार्वजनिक अश्लीलता को रोकने के लिए कई कानून मौजूद हैं। भारतीय न्याय संहिता के तहत, सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कृत्य या शब्दों का उपयोग दंडनीय अपराध है। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत भी ऑनलाइन अश्लील सामग्री को फैलाना भी गैरकानूनी है। फिर भी, इन कानूनों का सख्ती से पालन नहीं हो पाता, क्योंकि सोशल मीडिया पर सामग्री की मात्रा इतनी अधिक है कि हर पोस्ट की निगरानी करना मुश्किल है। इस समस्या से निपटने के लिए समाज, सरकार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मिलकर काम करना होगा। सार्वजनिक अश्लीलता और ऑनलाइन अश्लील सामग्री के खिलाफ कानूनों का सख्ती से पालन करना जरूरी है। सोशल मीडिया कंपनियों को अपने एल्गोरिदम में बदलाव करना चाहिए, ताकि अश्लील और विवादास्पद सामग्री को बढ़ावा न मिले। ऐसी सामग्री को तुरंत हटाने और क्रिएटर्स के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने की नीति लागू करनी चाहिए। समाज में नैतिकता और सामाजिक मर्यादाओं के महत्त्व को समझाने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में शिक्षित करना जरूरी है। वहीं माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर नजर रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर सकारात्मक, रचनात्मक और प्रेरणादायक सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार



और गैर-सरकारी संगठन ऐसी पहल शुरू कर सकते हैं, जो युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करें। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक समस्या है। समय की मांग है कि हम इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करें। कानूनी कार्रवाई, जागरूकता और सकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देकर हम एक स्वस्थ और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्रसिद्धि का असली मोल तब है, जब वह मेहनत, रचनात्मकता और नैतिकता के आधार पर हासिल की जाए, न कि सस्ते और अनुचित तरीकों से।



निकिता लूथर ने द ट्रेटर्स के साथ अपनी यात्रा को अवास्तविक बताया

पेशेवर पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर को करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल किया गया है। निकिता ने खास बातचीत में शो में अपने अनुभव को अवास्तविक बताया। शो के लिए अपनी रणनीति शेयर करते हुए निकिता ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो, मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि मुझे ऐसा मंच दिया जाएगा। शोबिज की दुनिया में, जहां हर कोई झामा लेकर आता है, मैंने यह दिखाने के लिए रणनीति का इस्तेमाल किया कि मैं एक अलग तरह की प्रतियोगी हूँ। यह एक अवास्तविक यात्रा रही है, और मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूँ। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कार्ड या प्रतियोगियों में से किसमें अधिक मजा आया, तो निकिता ने प्रतियोगियों को चुनते हुए कहा, कार्ड में, यह सरल है - आप घोखा देते हैं, और आप या तो जीतते हैं या हारते हैं। लेकिन यहां घोखा चिप्स से नहीं, बल्कि शब्दों से होता है। आपको लोगों की आंखों में देखना होता है, घोखा देना होता है, और फिर अगली सुबह उनके साथ नाश्ता करना होता है। इससे यह और भी ज्यादा गहरा हो जाता है। यह पूछे जाने पर कि क्या शो के दौरान उनका कोई दीर्घकालिक जुड़ाव बना, निकिता ने कहा, मैं कोई भी स्पॉन्सर नहीं देना चाहती, लेकिन हाँ, शुरुआत में, बहुत से लोग मुझसे दूर रहते थे। कुछ लोग मुझे खतरनाक मानते थे क्योंकि मैं एक रणनीतिक, व्यावसायिक मानसिकता से आई थी। दूसरों को लगता था कि मैं इस श्रेणी में नहीं आती। मुझे लोगों के बीच फिट होने और लोगों को समझने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। द ट्रेटर्स के स्क्रिप्टेड होने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ट्रेटर्स बिल्कुल भी स्क्रिप्टेड नहीं था। यह एक बहुत ही अनोखा अनुभव था। सबसे पहले, यह एक कैप्टिव रियलिटी शो था। हमारे पास दो सप्ताह तक कोई फोन नहीं था। हमें रात में बाहर जाने या अपने फोन चेक करने की अनुमति नहीं थी - हर चीज पर नजर रखी जाती थी। दूसरा, गाली-गलौज और लड़ाई-झगड़ों से भरे जहरीले रियलिटी शो के विपरीत, ट्रेटर्स ने बुद्धिमत्ता, रणनीति और सामाजिक संपर्क पर ध्यान केंद्रित किया। यह वास्तव में एक सोशल एक्सपेरिमेंट था। बता दें कि शो में निकिता का मुकाबला अंशुला कपूर, अपूर्व, राज कुंद्रा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरव झा, रफतार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद से होगा।



मैं अब वही करती हूं जो मेरे लिए सार्थक हो न कि परफेक्ट

अभिनेत्री पूजा बेदी ने समाज में परफेक्शन की चाहत रखने वालों पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि वह अब दिखावे की बजाय मन की शांति और सच्चाई को प्राथमिकता दे रही है। अभिनेत्री का मानना है कि प्रभावशाली दिखना जरूरी नहीं है। अभिनेत्री पूजा बेदी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने परफेक्शन पर अपने विचार रखे। पूजा ने अपने पोस्ट में बताया कि वास्तव में परफेक्शन को लेकर क्या नजरिया है। उन्होंने बताया, समाज हमसे हर समय, हर जगह परफेक्ट होने की उम्मीद करता है। हम देखने में परफेक्ट हों, काम में परफेक्ट हों और कोई कमी न रहे। लेकिन, मैं अब यह समझ गई हूँ कि इस दबाव से बाहर निकलना होगा। इसलिए जो महत्वपूर्ण है, उसी का चयन करें, न कि प्रभावशाली दिखने की दौड़ में शामिल हों। उन्होंने बताया, मुझे सुनहरे पेन से डायरी लिखने, सुबह तक चमकते चेहरे के लिए टॉनिक या किसी तरह के जूस देने की जरूरत नहीं है। मैं ऊर्जा को सुंदरता से, उद्देश्य को प्रदर्शन से ज्यादा महत्व देती हूँ। यह नियंत्रण बनाम अराजकता नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुने गए रास्ते की बात है। परफेक्शन एक बदलता लक्ष्य है, लेकिन प्राथमिकताएं एक दिशा-सूचक की तरह हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं अब वही करती हूँ, जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट। प्राथमिकताएं शांति देती हैं। जबकि, परफेक्शन चमक के साथ तनाव देता है। कुछ दिन मैं चमकती हूँ, कुछ दिन ठोकर खाती हूँ, लेकिन हमेशा उस दिशा में चलती हूँ, जो सही लगता है। यही मेरे लिए काफी है। पूजा बेदी अभिनेता कबीर बेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में 'विष्कन्धा' से की थी। इसके बाद वह आमिर खान के साथ 'जो जीता वही सिकंदर' में नजर आईं, जो उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। इसके अलावा 'लुटेरे' और 'आतंक ही आतंक' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया है।

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद दीपिका ने उठाया बड़ा कदम

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद से दीपिका पादुकोण चर्चा में हैं। ऐसे में दीपिका पादुकोण ने अपने पिता का जन्मदिन बहुत खास तरह से मनाया है। दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने बताया है कि वह पूरे देश में लोगों के लिए हर साल 75 बैडमिंटन स्कूल खोलेंगी। दीपिका पादुकोण के मुताबिक वह अपने पिता के 70वें जन्मदिन पर पूरे देश में पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन खोलेंगी। ये सेंटर बंगलूरु, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयम्बटूर और सूरत में खोले जाएंगे। दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपने पिता प्रकाश पादुकोण के साथ एक तस्वीर साझा की है। पोस्ट के कैप्शन में दीपिका ने लिखा है बैडमिंटन खेलते हुए बड़े होने के नाते, मैंने खुद अनुभव किया है कि यह खेल किसी की जिंदगी को किस तरह बदलता है। यह लोगों को शारीरिक, मानसिक और

भावनात्मक रूप से बदलता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के जरिए हम सभी क्षेत्रों के लोगों तक बैडमिंटन का आनंद और अनुशासन पहुंचाने की उम्मीद करते हैं। हम एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना चाहते हैं जो स्वस्थ और खेल से प्रेरित हो।

2027 तक 250 होगी सेंटर की तादाद
दीपिका पादुकोण ने पोस्ट के साथ जो प्रेस रिलीज शेयर की है उसके मुताबिक पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन हर साल 75 बैडमिंटन सेंटर खोलेगा। 2027 तक इनकी तादाद 250 तक होगी। इससे बैडमिंटन सभी के लिए आसान बन सकेगा। सेंटर ने पहले साल में ही 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर स्थापित किए हैं।

दीपिका के पिता भी देंगे साथ

आपको बता दें दीपिका पादुकोण के पिता बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। वह पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन में एक सलाहकार के तौर पर शामिल हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा खेल बड़े होने का एक अभिन्न हिस्सा है। यह अनुशासन और जीतने की मानसिकता पैदा करता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के साथ, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण कोचिंग को आसान और किफायती बनाना है। जमीनी स्तर से टैलेंट को उठाना और भारतीय बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखना है।

डिटेक्टिव शेरदिल में जासूस बन मर्डर की गुत्थी सुलझाने निकले दिलजीत

एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट का मेकर्स ने हाल ही में एलान किया। अब आज मंगलवार 10 जून को इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है। फिल्म में दिलजीत एक जासूस की भूमिका में हैं, जो एक मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हैं। फिल्म में सस्पेंस का डोज है तो कॉमेडी के भी छिंटें हैं।

अनोखे जासूस बने दिखे दिलजीत

रवि छाबड़िया के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। आज जारी इसका ट्रेलर काफी दिलचस्प है। दिलजीत एक अनोखे डिटेक्टिव के रूप में नजर आए हैं। वे फिल्म में बोमन ईरानी के किरदार के मर्डर की गुत्थी सुलझाते हैं। गंभीर किरदार को भी उन्होंने इस तरह अदा किया है कि दर्शकों को हंसने के भरपूर मौके मिलेंगे। दर्शकों को पसंद आया ट्रेलर ट्रेलर पर दर्शकों की दिलचस्प प्रतिक्रिया आई है। एक यूजर ने लिखा, कुछ अलग देखने को मिला। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत दोसांझ रॉक। डिटेक्टिव शेरदिल, दिलजीत दोसांझ और अली अब्बास जफर की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों जोगी फिल्म में साथ काम कर चुके हैं।

इस ओटीटी पर दस्तक देगी फिल्म

दिलजीत दोसांझ और बोमन ईरानी के अलावा फिल्म में डायना पेंटी, सुमित व्यास, बनिता संघु, चंकी पांडे और रत्ना पाठक शाह भी अहम रोल में हैं। दिलजीत से लेकर रबी और बोमन जैसे धुरंधर जिस फिल्म का हिस्सा हो, वहां दर्शकों को हंसने के मौके न मिलें, ऐसा भला कैसे हो सकता है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी।



हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर आया अपडेट

सिनेमा के शौकीन यूं तो फिल्मों को बड़े पर्दे पर देखना ही पसंद करते हैं और थिएटर्स का रुख करते हैं। मगर, एक वर्ग ऐसा है जो फिल्मों की ओटीटी रिलीज के इंतजार में रहता है। ऐसे लोगों के लिए हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर अपडेट आया है। लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की यह पांचवी कड़ी फिलहाल सिनेमाघरों में लगी है।

इस ओटीटी के पास हैं अधिकार

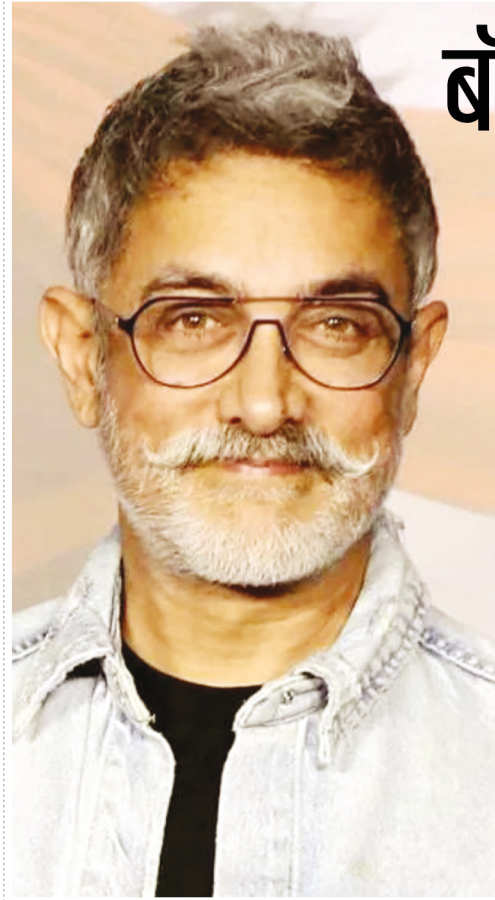
तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 6 जून को रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह ठीकठाक प्रदर्शन कर रही है। अब इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। तेलुगु 123 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म ओटीटी पर जल्दी आ सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग के अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो ने हासिल किए हैं।

जुलाई में हो सकती है रिलीज

इस फिल्म का ओटीटी प्रीमियर पहले इस साल अगस्त में होना था। लेकिन, अब कहा जा रहा है कि फिल्म की ओटीटी स्ट्रीमिंग जुलाई के पहले सप्ताह में ही शुरू हो सकती है। हाउसफुल 5 की डिजिटल रिलीज में यह अचानक बदलाव कथित तौर पर बॉक्स ऑफिस पर इसे मिल रही प्रतिक्रिया के बाद आया है।

क्यों लिया जल्दी ओटीटी रिलीज का फैसला?

दरअसल, फिल्म से उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं। लेकिन यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी उतरती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में निर्माताओं ने इसकी डिजिटल रिलीज कुछ जल्दी करने का फैसला लिया है। हालांकि, मेकर्स या प्राइम वीडियो की तरफ से ओटीटी रिलीज पर अभी आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।



बॉलीवुड में इसलिए फिट नहीं होते इमरान आमिर खान ने कही बड़ी बात

मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भतीजे इमरान खान ने फिल्म इंडस्ट्री में बहुत उम्मीदों के साथ एंट्री की थी। हालांकि जल्दी ही वो फिल्म इंडस्ट्री से दूर हो गए। स्क्रीन के साथ हाल ही में बातचीत में, आमिर ने बताया कि इमरान खान का बॉलीवुड में फिट होना मुश्किल लगता है।

आमिर ने कहा बॉलीवुड में फिट नहीं इमरान

आमिर खान ने कहा इमरान खान में एक अलग काबिलियत है। उन्हें हमारे पास मौजूद ढांचे में फिट होना मुश्किल लगता है। यह उनकी जगह नहीं है। यही वजह है कि वह जाने तू... और देली बेली जैसी फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन कर पाए। लेकिन जैसे ही आप उन्हें एक नियमित हिंदी फिल्म में काम करने के लिए कहते, वे फिट नहीं होते। वह हीरोगिरी के साथ सहज नहीं हैं। वह एक वास्तविक व्यक्ति की भूमिका निभाना चाहते हैं।

हर कोई उन्हें मुख्यधारा की फिल्में ऑफर कर रहा था क्योंकि वह अच्छे दिखते हैं। लेकिन वह एक अभिनेता बनना चाहते हैं, स्टार नहीं।

इमरान ने पहली ही फिल्म से छोड़ी छाप

इमरान ने अपने करियर की शुरुआत एक वाइल्ड एक्टर के रूप में की थी। उन्होंने कयामत से कयामत तक और जो जीता वही सिकंदर जैसी फिल्मों में अपने चाचा के साथ काम किया। 2008 में बतौर लीड एक्टर उनकी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना थी। यह फिल्म एक युवा रोमांटिक कॉमेडी थी, जो दर्शकों को खूब पसंद आई थी। जेनेलिया डिसूजा के साथ बेहतरीन अदाकारी करने वाले इमरान को पहचान मिली। इस फिल्म में काम करने के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

इमरान ने दी अच्छी फिल्में

डेब्यू के बाद, इमरान कई रोमांटिक कॉमेडी और हल्की-फुल्की फिल्मों में दिखाई दिए, जिनमें आई हेट

लव स्टोरीज (2010), ब्रेक के बाद (2010), और मेरे ब्रदर की दुल्हन (2011) शामिल हैं। उन्होंने खुद को एक रोमांटिक एक्टर के तौर पर स्थापित किया। 2011 में, इमरान ने डाकू कॉमेडी देली बेली में काम किया। यह फिल्म कारोबार के लिहाज से काफी कामयाब रही। इसके बाद उन्होंने एक मैं और एक तू (2012) बनाई, जो एक रोमांटिक ड्रामा थी। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, 2012

इमरान ने फिल्मों से बनाई दूरी

2010 के दशक के मध्य तक इमरान खान फिल्मों से दूर रहे। उन्हें कई फिल्में ऑफर हुईं लेकिन उन्हें फिल्में में किरदार अच्छा नहीं लगा। वह कभी-कभार साक्षात्कारों या सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देते हैं। इमरान खान ने उस समय अपनी अच्छी छाप छोड़ी जब वह युवा रोमांटिक कॉमेडी करते थे।



के बाद, इमरान का करियर दलान पर आ गया। मटरू की बिजली का मंडोला (2013) और गोरी तेरे प्यार में (2013) जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया।

भारत विकास परिषद के सहयोग से आयोजित योग कार्यशाला का विश्राम



नीमच 17 जून (निप्र)। जिला योग समिति एवं भारत विकास परिषद नीमच के संयुक्त तत्वाधान में श्री परशुराम मंदिर सभागृह नीमच में दि. 15 जून से प्रारंभ हुए तीन दिवसीय योग शिविर का मंगलवार 17 जून को विश्राम हुआ। संस्था अध्यक्ष रवि पोरवाल सचिव पिंटू शर्मा की अगुवाई में भारत विकास परिषद से जुड़े मित्रों के सहयोग से आयोजित शिविर में योग प्रेमी गुणवंत गोयल लाक्षाकार बालकृष्ण सोलंकी व टीना गर्ग ने योग प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया। शिविर में बालकृष्ण सोलंकी ने योग की उपादिता बताते हुए कहा

कि योग सनातन संस्कृति की विज्ञान सम्मत वैदिक जीवन पद्धति है! इसके अनुसार दिनचर्या को सुव्यवस्थित कर सहज आरोग्यता प्राप्त की जा सकती है। गोयल ने कहा कि मात्र 24 मिनट योग के लिए निकालकर जीवन को निरोगी व बलवान बनाया जा सकता है भारत विकास परिषद अध्यक्ष रवि पोरवाल व सचिव पिंटू शर्मा ने योगाचार्यों के प्रशिक्षण की सराहना करते हुए शाल श्रीफल से सम्मानित किया पोरवाल ने कहा कि आज सिर्फ विश्राम है आगे भी हम योग अनुकूल अवसर समाज को उपलब्ध कराते रहेंगे।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, 152 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच 17 जून (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 152 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े, राजेश शाह, एसडीएम संजीव साहू, सभी डिप्टी कलेक्टर्स एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर चंद्रा ने धनैरिया कलां निवासी कनकन एवं मुकेश के आवेदन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास करने वालों, डराने, धमकाने वालों और जबरन कब्जा करने के प्रयास करने वालों के विरुद्ध पटवारी को तत्काल मौके पर भेजकर कार्यवाही करने के निर्देश एसडीएम नीमच को दिए। ग्राम बरकटी के हीरालाल मीणा के आवेदन पर कलेक्टर ने हीरालाल की जमीन बिक्री की कीमत (राशि) प्रदान नहीं करने एवं राशि मांगने



पर अभद्र व्यवहार करने वालों के विरुद्ध जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश तहसीलदार जीरन को दिए।

जनसुनवाई में लसुडीआंजी के नरेन्द्र, भरभडिया के बापूलाल, बालुराम, चैनराम, बघाना के वीरेन्द्र कुमार, एकाता कॉलोनी नीमच की दुलाशीबाई, तारापुर की शकीला बानु, बरखेड़ाहाड़ा के दशरथ, कराड़िया महाराज के रमेश गीर, भगवानपुरा नीमच सिटी के नाजबीन, जीरन के ओमप्रकाश पाटीदार, केशरपुरा के नंदलाल, खुशालपुरा के कारूलाल गुर्जर,

मालवा फर्स्ट स्थानीय खबर

अब आईएस और आईपीएस के तबादले की तैयारी, मंत्रालय से मैदानी स्तर तक होंगे बदलाव

भोपाल 17 जून (एजेंसी)। मप्र में आज से तबादलों पर बैन लग सकता है। इसके साथ ही आईएस और आईपीएस के तबादले शुरू होंगे। जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार जल्द ही प्रशासनिक अमले में फेरबदल करने जा रही है। गृह विभाग द्वारा हाल में किए गए आईपीएस तबादलों के बाद अब आईएस अधिकारियों के तबादलों की तैयारी अंतिम चरण में है। यह बदलाव मंत्रालय स्तर से लेकर जिलों तक देखने को मिल सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ बैठक कर तबादलों की सूची पर चर्चा कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री बड़े पैमाने पर फेरबदल के मूड में नहीं हैं, लेकिन जिन पदों पर नियुक्तियां बेहद जरूरी हैं, वहां बदलाव जल्द किए जाएंगे। सचिव स्तर के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के दायित्वों में भी फेरबदल संभव है। दतिया जिले में कलेक्टर संदीप माकिन के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद रिक्त है। वर्तमान में जिला पंचायत के सीईओ को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, लेकिन जल्द ही नियमित नियुक्ति की संभावना है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह और वरिष्ठ आईएसएस संजीव कुमार झा की नई पदस्थापनाओं को लेकर भी निर्णय जल्द लिया जा सकता है। लोक निर्माण विभाग जैसे बड़े और अहम विभाग में अब तक कोई स्थायी प्रमुख नहीं है। अब पूर्णकालिक अधिकारी को नियुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भी नवीन पदस्थापना की जा सकती है, खासकर उन जिलों में जहां प्रशासनिक गति प्रभावित है या कुशल नेतृत्व की आवश्यकता है।

बदले जाएंगे कई कलेक्टर – कर्मचारियों की तबादला अवधि समाप्त होने के बाद केवल मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से ही तबादले हो सकेंगे। अब आईएसएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए जाएंगे। इसमें कलेक्टर से लेकर अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव सूची को अंतिम रूप देने के लिए एक-दो दिन में मुख्य सचिव अनुपम जैन और पुलिस महाधिवेशक कैलाश मकवाणा के साथ बैठक करेंगे। सूत्रों के अनुसार डिंडौरी सहित अन्य जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। डिंडौरी कलेक्टर नेहा मराया को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष है। अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों से उनका तालमेल नहीं बन पा रहा है, जिसके कारण काम भी प्रभावित हो रहा है। वहीं, कुछ कलेक्टरों को

सरकार बड़ी जिम्मेदारी देना चाहती है इसलिए उन्हें नई पदस्थापना दी जा सकती है। मंत्रालय में भी जिन अधिकारियों के पास अधिक दायित्व हैं, उनसे लेकर दूसरों को दिए जा सकते हैं। लोक निर्माण विभाग में अभी कोई पूर्णकालिक अधिकारी नहीं है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई के पास अतिरिक्त प्रभार है। जबकि, यहाँ हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। उधर, राज्य सरकार ने अनुरोध करके चुनाव आयोग से सुखवीर सिंह की सेवाएं वापस ले ली हैं। वे प्रदेश में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी थे। उनके स्थान पर संजीव कुमार झा को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बनाए जाने पर आयोग ने सहमति दी है। इसी तरह पुलिस अधिकारियों के भी तबादले होने हैं। नर्मदापुरम पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह वर्ष 2021 से पदस्थ

हैं। कुछ अन्य अधिकारियों को एक स्थान पर पदस्थ रहते दो वर्ष या उससे अधिक समय हो चुका है। इन सभी को शामिल करते हुए सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। **वरिष्ठ अधिकारियों का बदलेगा प्रभार** – मंत्रालयीन सूत्रों का कहना है कि नई तबादला सूची में अतिरिक्त प्रभार वाले अफसरों को राहत दी गई है। यानी जिन अफसरों के पास एक से अधिक विभाग हैं, उनसे अन्य विभाग लेकर दूसरे अफसरों को जिम्मेदारी दी जाएगी। वर्तमान समय में कई अफसरों के पास अतिरिक्त प्रभार है। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा के पास एसीएस जल संसाधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई के पास लोक निर्माण जैसे बड़े विभाग का अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार है। मंडलोई की लोक निर्माण

विभाग में बहुत ज्यादा रुचि नहीं है। वे सिर्फ रुटीन की फाइलें ही आगे बढ़ाते हैं। अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल के पास सहकारिता का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मन्ू श्रीवास्तव के पास खेल एवं युवा कल्याण का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे के पास साईंस एवं टेक्नोलॉजी का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन के पास संसदीय कार्य व उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। ऐसे ही अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय शुक्ला के पास विमानन का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव सदाशिव यादव के पास आयुक्त खाद्य सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार है।

जावद दंगे के समस्त आरोपी साक्ष्य के अभाव में हुए दोषमुक्त

जावद 17 जून (निप्र)। चर्चित प्रकरण सन 2013 की हनुमान जयंती पर नगर में निकले जुलूस के दौरान हुए दंगे में एक विशेष समुदाय के समस्त 98 आरोपियों को जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनोद कुमार पाटीदार की न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में आज दोषमुक्त कर दिया

पहली बार सांपों को लेकर बजट जारी

भोपाल 17 जून (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में हर साल कई लोग सर्पदंश का शिकार होते हैं। ज्यादातर मामले ग्रामीण अंचल से सामने आते हैं। बीते एक साल में सांप के काटने से यहां करीब 2500 लोग जान गंवा चुके हैं। इसके बदले सरकार को लगभग 100 करोड़ का मुआवजा देना पड़ा। लेकिन अब मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने नई तैयारी के तहत सर्पदंश से लोगों को बचाने के लिए बड़ी पहल की है। अब सरकार ने सर्पदंश से लोगों को बचाने प्रदेश के सभी जिलों को बजट आवंटित किया है। हर जिले को 23.17 लाख स्वीकृत किए हैं।

। ज्ञातव्य रहे कि हनुमान जयंती के जुलूस पर नगर के खुरा चौक स्थित एक धार्मिक स्थल से जुलूस पर उन्मादी भीड़ ने पथराव कर लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया था जिससे प्रशासनिक अधिकारी व अन्य लोगों को गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ तीन प्रकरण भादस की धारा 307,146,147,148,149 120(B) के तहत प्रकरण दर्ज किए गए थे। जिनमें एक प्रकरण में सात आरोपी पहले ही दोषमुक्त हो गये थे व अन्य दो मामलों में आज दिनांक 17 जून को माननीय न्यायालय ने समस्त आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। उक्त तीनों ही मामलों में दोषमुक्ती का कारण साक्ष्य का अभाव रहा।

केंद्रीय नोडल अधिकारी निर्मोद कुमार आज से जिले के तीन दिवसीय प्रवास पर रहेंगे

नीमच 17 जून (निप्र)। जल शक्ति अभियान केच दी रन 2025 अभियान के तहत 'जल संचय जनभागीदारी, जनकल्याणकारी की ओर' थीम पर अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के संचालक निर्मोद कुमार को नीमच जिले के लिए केंद्रीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्मोद कुमार का आज 18 जून 2025 को नीमच जिले का भ्रमण हो रहा है।

जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने बताया, कि केंद्रीय नोडल अधिकारी, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के संचालक

निर्मोद कुमार आज 18 जून 2025 को दोपहर 2.30 बजे कलेक्टोरेट नीमच में जल गंगा संवर्धन अभियान से संबंधित सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारियों की समीक्षा बैठक लेंगे। तदपश्चात वे दोपहर 3.30 बजे नीमच विकासखण्ड अंतर्गत जल जीवन मिशन एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों का निरीक्षण करेंगे। निर्मोद कुमार 19 जून को प्रातः10 बजे मनासा विकासखण्ड एवं 20 जून को प्रातः10 बजे से जावद विकासखण्ड अंतर्गत, जल जीवन मिशन एवं जल गंगा संवर्धन कार्यों का निरीक्षण कर शाम 5 बजे कलेक्टोरेट में समीक्षा बैठक लेंगे। तदपश्चात शाम 5.30 बजे नीमच से प्रस्थान करेंगे।

इंदौर, देवास, नीमच सहित कई शहरों में पहुंचा मानसून, हफ्ते भर में पूरे प्रदेश होगी झमाझम बारिश

भोपाल 17 जून (एजेंसी)। अलग-अलग स्थानों पर बनी चार मौसम प्रणालियों के असर से मानसून के आगे बढ़ने का सिलसिला बना हुआ है। इसी क्रम में मंगलवार को इंदौर, देवास सहित 15 अन्य शहरों में भी मानसून ने दस्तक दे दी। बादल बने रहने और अलग-अलग स्थानों पर वर्षा होने के कारण अब अधिकतम तापमान में भी गिरावट हो गई है। मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रतलाम, मंडला एवं जबलपुर में पांच, छिंदवाड़ा में तीन, धार एवं टीकमगढ़ में एक, सतना में 0.2 मिलीमीटर वर्षा हुई। उधर कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को बोंवनी के लिए अभी कुछ



इंतजार करने की सलाह दी है। मानसून ने दी दस्तक – मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी मानसून आलीराजपुर, डाबुआ, धार, इंदौर, देवास, नीमच, हरदा, उतरी खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम (पचमढ़ी), छिंदवाड़ा, पाण्डुना,

सिवनी, बालाघाट, मंडला एवं डिंडौरी में भी पहुंच गया है। सोमवार को मानसून ने बड़वानी, खरगोन, दक्षिणी खंडवा एवं बुरहानपुर में आमद दर्ज कराई थी। अगले 48 घंटों के दौरान मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों में मानसून के पहुंचने की संभावना है। फुवार-शुक्रवार तक भोपाल में भी दस्तक दे सकता

है। इस बीच प्रदेश के अधिकतर जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा भी होगी।

ये मौसम प्रणालियां हैं सक्रिय – गुजरात एवं उसके आसपास कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे संबद्ध ऊपरी हवा का चक्रवात दक्षिण दिशा की ओर झुका हुआ है। इस मौसम प्रणाली से एक द्रोणिका झारखंड तक बनी है, जो मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से होते हुए जा रही है। एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में जम्मू के आसपास बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि इन मौसम प्रणालियों के अलावा बंगाल की खाड़ी में भी कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इस वजह से मानसून लगातार गतिमान बना हुआ है। चार-पांच दिन में मानसून

पूरे प्रदेश को कवर कर सकता है। **बोंवनी करने में जल्दबाजी ना करें किसान** – पूर्व संचालक कृषि एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. जीएस कौशल ने मानसून के आते ही बोंवनी करने में जल्दबाजी ना करते की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि पहली वर्षा में खेतों में काफी खरपतवार उग आती है। उसका निष्पादन कर जंग तैयार करने के बाद मौसम का रुख देखते हुए बोंवनी करें। बोंवनी के पहले बीजों का अंकुरण परीक्षण जरूर करें। रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का इस्तेमाल भी ना करें। बीज की व्यवस्था पहले से करके रखें। मौसम एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. अनुपम काश्यप ने भी किसानों को अभी बोंवनी ना करने का सुझाव दिया है।

सड़क किनारे गंभीर अवस्था में मिला व्यक्ति, दो युवकों ने बाइक से अस्पताल पहुंचाया

नीमच 17 जून (निप्र)। पुलिस थाना मनासा अंतर्गत ग्राम खुजुरी छिम्पुरा रोड पर सड़क किनारे कन्हैयालाल पिता गब्बा बंजारा (50) निवासी सेमली इन्तपुरा घायल अवस्था में दिखाई दिया। उसका एक तरफ का जबड़ा फट चुका था। हादसे की वजह भी पता नहीं चल पाई। मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं घायल को अस्पताल पहुंचाने को लेकर दो युवकों ने हिम्मत जुटाई। विष्णु सेन निवासी बड़कुआ और ललित धनगर भदवा दोनों कन्हैयालाल को मोटरसाइकिल से उपचार के लिए मनासा शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे और उपचार के लिए भर्ती करवाया। अस्पताल पहुंची डायल 100 पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। हादसे में गंभीर व्यक्ति के चेहरे पर एक तरफ से जबड़ा पूरी तरह बिखर गया। डॉक्टरों ने तत्काल उपचार कर जिला अस्पताल नीमच रेफर किया।

एक भाव-संवेदना से ओतप्रोत, दिव्यता से परिपूर्ण पावन तीर्थयात्रा का अनुपम आयोजन

नीमच 17 जून (निप्र)। जैन सोशल ग्रुप 'संस्कार' नीमच द्वारा दिनांक 12 जून से 15 जून 2025 तक चार दिवसीय आध्यात्मिक तीर्थयात्रा का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ, जहाँ भक्ति, श्रद्धा और आत्मिक शांति की अविरल धारा प्रवाहित होती रही। इस पावन यात्रा का नेतृत्व संस्थापक अध्यक्ष राजेश गोखर एवं वर्तमान अध्यक्ष प्रदीप ओसवाल के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में हुआ, जिन्होंने पूरे ग्रुप को प्रभु भक्ति के मार्ग पर संघटित रूप से आगे बढ़ाया। यात्रा की शुरुआत हुई श्री नाकोड़ा भैरवधाम में प्रभु की दिव्य आरती एवं नवकांसी से, जहाँ हर श्रद्धालु ने आत्मा के भीतर प्रभु से जुड़ने की अनुभूति की। इसके पश्चात यात्रियों का कारवां पहुंचा कायातीर्थ, केशरिया जी, आगलोट, महूडी जी, कालिकुण्ड व मणिलक्ष्मी तीर्थ होते हुए पावन शत्रुंजय गिरिराज की ओर अग्रसर हुआ। वहीं श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर पदयात्रा करते हुए आदिनाथ प्रभु के दर्शन कर अनुपम आत्मिक



आनंद का अनुभव किया। इसके अतिरिक्त रोहिशाला में आरती दर्शन, अयोध्यापुरम, शंखेश्वर तीर्थ तथा पानवा स्थित श्री 1008 पारश्वनाथ जिनालय में भी प्रभु चरणों में अर्चना एवं दर्शन-वंदन की मधुर स्मृतियां सजी गईं। हर पड़ाव पर भक्ति थी, हर क्षण में प्रभु कृपा की अनुभूति थी और हर मोड़ पर आत्मा की शांति थी। यह यात्रा सिर्फ गंतव्य तक पहुंचने की नहीं, बल्कि आत्मा की गहराइयों तक उतरने की साधना

बन गई। समापन समारोह में प्रत्येक यात्री परिवार को इस पावन यात्रा की स्मृति स्वरूप सौंदर्ययुक्त स्मृति-चिन्ह दादा आदिनाथ के प्रतीक चिन्ह के चांदी के सिक्के भेंट किए गए, जो इस अनुभव को जीवन भर जीवित बनाए रखेंगे। यात्रा संयोजकगण कमलेश गोपावत एवं सुन्दर जैन ने अत्यंत समर्पण, मधुरता व अनुशासित व्यवस्था के साथ इस आयोजन को सफल बनाया। 'संस्कार' परिवार ने उनकी सेवाओं के लिए सप्रेम

कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया। जो सदस्य इस बार यात्रा में सहभागी नहीं हो सके, उन्हें आगामी यात्राओं के लिए सादर निमंत्रण दिया गया, ताकि कोई भी इस पुण्य अवसर से वंचित न रह सके। जैन सोशल ग्रुप 'संस्कार' नीमच निकट भविष्य में और भी दिव्य, प्रेरणादायक एवं आत्मिक यात्राओं की योजना बना रहा है। जहाँ हर यात्रा बनेगी एक भक्ति पर्व, और हर कदम बनेगा प्रभु की ओर एक और आत्मिक प्रयास।